तेरे दर पे सदा आता ही रहा हूँ मैं भजन लिरिक्स

तेरे दर पे सदा,
आता ही रहा हूँ मैं,
चाहे दु:ख में रहूं,
चाहे सुख में रहूं,
मुस्कुराता रहा हूँ मैं,
तेरें दर पे सदा,
आता ही रहा हूँ मैं।bd।

तर्ज – घुंघरू की तरह।

तूने छोड़ दिया चाहे साथ मेरा,
पर छोड़ा नहीं मैंने दर ये तेरा,
चाहे हाथ रहे मेरे खाली,
मुस्कुराता रहा हूँ मैं,
तेरें दर पे सदा,
आता ही रहा हूँ मैं।bd।

अपनों ने दिए जो दर्द मुझे,
वो भी सदा हस हस के सहे,
किसी से कैसा गिला,
जिसने जो भी दिया,
सहता ही रहा हूँ मैं,
तेरें दर पे सदा,
आता ही रहा हूँ मैं।bd।

मैं करता रहा श्याम तुमको नमन,
चाहे भीगे रहे 'वीना जी' के नयन,
होंठों पे हंसी आँखों में नमी,
मुस्कुराता रहा हूँ मैं,
तेरें दर पे सदा,
आता ही रहा हूँ मैं।bd।

तेरे दर पे सदा,
आता ही रहा हूँ मैं,
चाहे दु:ख में रहूं,

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी आपके मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com

चाहे सुख में रहूं,
मुस्कुराता रहा हूँ मैं,
तेरें दर पे सदा,
आता ही रहा हूँ मैं।bd।

Singer – Naseem Chintu

समस्त भजनों के लिरिक्स और विडियो बिना इन्टरनेट के भी अपने मोबाइल में देखने के लिए गूगल प्ले स्टोर या एप्पल एप्प स्टोर से 'भजन डायरी एप्प' जरुर इनस्टॉल करे। वेबसाइट - https://www.bhajandiary.com